B-3
L-34
Society

12-01-24

भारत में गंदी बस्ती की समस्या

- अर्थ
- स्वरूप
- कारण
- दुष्परिणाम
- प्रयास
- मूल्यांकन एवं सुझाव

अर्थ:

नगरीय क्षेत्रों में अवस्थित आवासीय समूह जिसका स्तर अत्यधिक निम्न होता है, गंदी बस्ती (slums) कहलाता है।

2001/2011 की जनगणना के अनुसार एक छोटे घने क्षेत्र जिसकी जनसंख्या कम से कम 300 या लगभग 60-70 गरीब परिवार जो कि अस्वास्थ्यकर वातावरण में सामान्यतः अनुपयुक्त आधारभूत सुविधाएँ जैसे- पीने का पानी एवं सफाई सुविधा के अभाव में निवास करते है, को चिह्नित गंदी बस्ती माना जाएगा।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

स्वरूप: गंदी बस्तियों का विकास भारतीय नगरीकरण की एक प्रमुख समस्या है, जहाँ 2001 में 6.18 करोड़ लोग गंदी बस्तियों में रहते थे वहीं 2011 में यह संख्या 10.36 करोड़ हो गयी है (कुल नगरीय जनसंख्या का 27.5%)

→ भारत में गंदी बस्तियों में रहने वाले कुल आबादी का 57% तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, उत्तरप्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में रहते हैं।

→ भारत में गंदी बस्ती में रहने वाले 35% घरों को पीने का साफ पानी उपलब्ध नहीं है।

→ भारत के गंदी बस्तियों में 63% घरों से गंदे पानी की निकासी का कोई प्रबंध नहीं है।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

गंदी बस्ती के दुष्परिणाम / समस्यात्मक पक्ष:

→ स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव।

→ श्रमिकों की कार्यक्षमता पर दुष्प्रभाव।

→ व्यक्ति, परिवार एवं समुदाय पर दुष्प्रभाव।

→ विभिन्न प्रकार की अपराधिक गतिविधियों में वृद्धि।

गंदी बस्तियों के विकास के कारण:

→ ग्रामीण - नगरीय प्रवास (National Institute for urban Affairs)

→ नगर में आवास की अपर्याप्तता (NIUA

→ नगर भूमि नीति (NIUA)

→ नगरीय गरीबी, बेरोजगारी एवं निम्न मजदूरी।

→ मुद्रास्फीति एवं महंगा किराया।

→ स्लम माफिया।

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform

भारत में गंदी बस्तियों के उन्मूलन / समस्या समाधान हेतु किए गए प्रयास:

प्रत्यक्ष प्रयास / Direct Effort

→ विभिन्न सरकारी संस्थाओं एवं गैर-सरकारी संस्थाओं के द्वारा स्लम के लोगों की आवश्यकता-पूर्ति और समस्या समाधान की दिशा में किए गए प्रयास

→ राजीव आवास योजना 2011

→ स्लममुक्त भारत मिशन 2013

→ सबके लिए आवास योजना 2015

परोक्ष प्रयास / Indirect Effort: प्रति-नगरीकरण तथा नगरों के बाहरी क्षेत्र एवं satellite Town का विकास करके। साथ ही NCR विस्तार योजना के द्वारा - नगरीय आबादी को नगर से बाहर की ओर विकेन्द्रित करने के रूप में किया गया प्रयास।

→ ग्रामीण विकास के द्वारा ग्रामीण - नगरीय प्रवास को रोकने हेतु किये गये प्रयास।

मूल्यांकन एवं सुझाव:-

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform © KHAN GLOBAL

→ निश्चित रूप से उपरोक्त प्रयासों के द्वारा स्लम की समस्या समाधान की दिशा में प्रगति हुई है।

→ परंतु अभी भी हम अपेक्षित लक्ष्य से दूर हैं और 2001 की तुलना में 2011 में स्लम की जनसंख्या (10.36 करोड़ / कुल नगरीय आबादी का 27.5%) बढ़ी है।

→ इसका प्रमुख कारण आर्थिक सुधार (1991) के बाद ग्रामीण - नगरीय विषमता में वृद्धि फलतः तीव्र ग्रामीण - नगरीय प्रवास है।

→ इसलिए एक तरफ ग्रामीण-नगरीय प्रवास को रोककर तो दूसरी तरफ गंदी बस्ती में रहने वाले लोगों को आवास एवं रोजगार उपलब्ध कराकर समस्या का स्थाई समाधान किया जा सकता है।

→ इस दिशा में और बेहतर प्रयास करने के लिए वर्ष 2011 में राजीव गाँधी आवास योजना को शुरु किया गया। इसे और बेहतर बनाने के लिए वर्ष 2013 में मलिन बस्ती मुक्त भारत मिशन को शुरु किया गया।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

सबके लिए आवास योजना 2015

- परिचय
- उद्देश्य
- लक्षण/प्रावधान
- समीक्षा

परिचय: 25 जून 2015 को प्रारम्भ नगरीय गरीबों के आवास विकास हेतु एक केन्द्र प्रायोजित कार्यक्रम है।

उद्देश्य: श्रमवासियों के साथ-साथ शहरी गरीबों के अवास अवश्यकता को पूरा करना तथा 2022 तक सभी के लिए आवास उपलब्ध करवाना।

लक्षण/प्रावधान:

-> भूमि का संसाधन के रूप में उपयोग करते हुए निजि भागीदारी से श्रमवासियों हेतु स्वंय पूर्नवास का प्रावधान किया जाए।

-> ऋण से जुड़ी ब्याज सब्सिडी के माध्यम से शहर के गरीब वर्ग के लिए किफायती आवास को प्रोत्साहन देना।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

→ सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र के भागीदारी (PPP)
के तहत किफायती आवास उपलब्ध करवाना

→ इस योजना से लाभांवित वही व्यक्ति होगा
जिसके परिवार के किसी भी सदस्य के नाम से
भारत के किसी भी क्षेत्र में अपना मकान नहीं
होगा।

→ इस योजना के तहत नौ राज्यों के 305 शहरों
की पहचान और 2022 तक शहरी गरीबों के
लिए आवास बनाने का प्रावधान किया गया।
(26 December 2018 को शहरी आवास एवं गरीबी
उपसमन मंत्रालय के रिपोर्ट के अनुसार 58 हजार
घर बनाने का लक्ष्य था, लेकिन मात्र 31 हजार
घरों का निर्माण हुआ।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

↓
<u>Note</u>:- हाल में प्रधानमंत्री आवास योजना के संदर्भ
में केन्द्र सरकार द्वारा परफामेंश इंडेक्स जारी किया
गया। (2020-21 के लिए) — इसके अनुसार

- झारखण्ड 82.26% के साथ प्रथम स्थान पर
रहा।
- राजस्थान 82.14% के साथ दूसरे स्थान पर
रहा।
- मध्यप्रदेश 76.06% के साथ तीसरे स्थान पर
रहा।

PMAY की समीक्षा: निश्चित रूप से उपर्युक्त योजना नगरीय श्रम योजना से जुड़ी समस्याओं से समाधान के दिशा में एक महत्वकांक्षी परियोजना है, इसमे पहले सचालित राजीव गांधी अवास योजना और श्रम मुक्त भारत मिशन के कमीयों को दूर करते हुए आवास निर्माण की स्वअभिप्रेरणा में वृद्धि तथा निजि भागीदारी को बढाने के साथ साथ नगरीय भूमि को संसाधन के रुप में प्रयोग करने पर बल देकर नगरीय विकास के अन्य घटकों के साथ इसे एकीकृत करने का प्रयास किया गया है।

परंतु इस योजना की सफलता इस बात पर निर्भर करती है, इसमे जनसहभागिता को बढाते हुए नियंत्रित एवं संतुलित P.PP, के तहत भ्रष्टाचार मुक्त रुप से एवं दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ लागू किया जाए।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
A Trusted Learning Platform
KHAN SIR

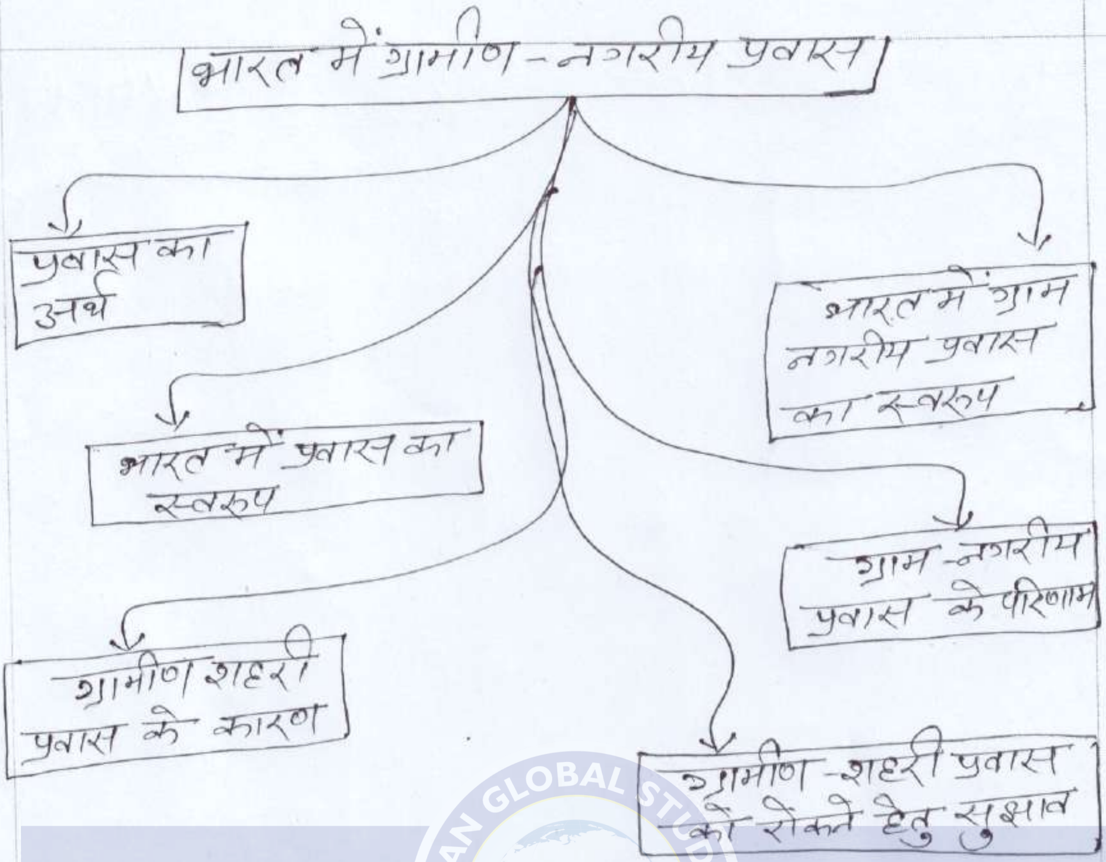

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

प्रवास का अर्थ: जब कोई व्यक्ति या समूह मुख्यतः रोजगार हेतु किसी नये स्थान पर एक सप्ताह या उससे अधिक अधिवास का काम करता है, तो इसको प्रवास की संज्ञा दी जाती है।

भारत में प्रवास का स्वरुप:-

- ग्राम- ग्राम प्रवास
- ग्राम-नगरीय प्रवास
- नगरीय-नगरीय प्रवास
- नगरीय-ग्राम प्रवास

भारत में ग्रामीण नगरीय प्रवास का स्वरूप:

-> मुख्यत: बीमारु राज्यों से 2.5 लाख दिल्ली से प्रति वर्ष।

-> मुख्यत: बीमारु राज्यों से 1.5 लाख मुंबई व गुजरात में प्रति वर्ष

-> मुख्यत: बिमारु राज्यों से 50,000 पंजाब में कृषि कार्य करने हेतु प्रति वर्ष

भारत में ग्रामीण नगरीय प्रवास के परिणाम:

-> नगरीय समाज पर प्रभाव

-> ग्रामीण समाज पर प्रभाव

ग्रामीण-शहरी प्रवास के कारण:=

-> धकेलने वाले कारक / Push factors:-

- ग्रामीण विकास की धीमी गति और समुचित रोजगार का अभाव
- ग्रामीण क्षेत्र में सांमती प्रवृति, अस्पृश्यता, जाति संघर्ष एवं नक्सलवाद
- नगरों की तुलना में गाँवों में अवसंरचनात्मक सुविधाओं की धीमी गति।

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform © KHAN SIR ©

खींचने वाले कारक / Pull factors:

- नगरों में तीव्र औद्योगिकरण एवं रोजगार की उपलब्धता
- नगरीय संस्कृति का आकर्षण
- नगरों में समानता युक्त माहौल में काम करने का अवसर

भारत में ग्रामीण - नगरीय प्रवास को रोकने हेतु किए गए प्रयास:

→ गाँव पर समग्र विकास पर बल और विभिन्न ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का क्रियान्वयन।

→ मनरेगा

→ PURA

→ श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुरबन मिशन

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

PURA (Providing Urban Amenities in Rural Areas:

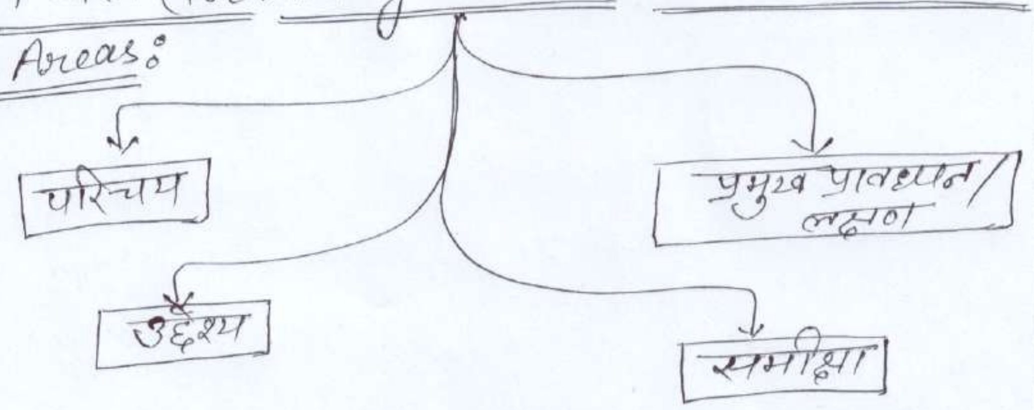

PDF Notes

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

श्यामा प्रसाद मुखर्जी ग्रामीण शहरी मिशन 2015

परिचय: ग्रामीण विकास के लिए एक केन्द्रिकृत योजना 16 September 2015 को केन्द्रिय मंत्रीमंडल द्वारा मंजूरी और घोषणा तथा 21 feb 2016 को प्रधानमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ के राजनंदगाँव से इस मिशन की शुरुआत की गयी।

उद्देश्य: ग्रामीण इलाकों में शहर की तरह आर्थिक सामाजिक एवं बुनियादी सरंचनात्मक विकास को प्रोत्साहित करते हुए तथा सरकार को शामिल करते हुए स्मार्ट गाँव का निर्माण करना।

लक्षण / प्रावधान:

-> गाँव में शहरो जैसी 12 बुनियादी सुविधाएं जैसे - स्वास्थ सुविधा, सप्लाई पानी, सफाई एवं कचरा प्रबंधन आदि उपलब्ध करवाना।

-> बुनियादी सरंचना के विकास के साथ कौशल विकास एवं स्थानीय उद्यमीता पर विशेष बल देते हुए आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देना।

-> 2019-20 तक 300 कलस्टरस (प्रत्येक कलस्टर मे 25-50 गाँव शामिल) के विकास का प्रावधान तथा पहले चरण में (100 कलस्टरस के विकास का

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

प्रावधान

→इस कलस्टर मे 25-50 गाँव शामिल जिसमें मैदानी एवं तटीय क्षेत्रों में 25 हजार से 50 हजार जनसंख्या तथा पहाड़ी एवं रेगीस्तानी एवं जनजातीय क्षेत्रों में 5 हजार से 15 हजार जनसंख्या वाले ग्राम पंचायतो को शामिल करने का प्रावधान है।

→ इस मिशन हेतू केन्द्रीय मंत्रीमंडल द्वारा 5142 करोड़ रुपये को मंजूरी दि गयी है।

→ इस मिशन हेतु केन्द्र द्वारा 30% वित्तय सहायता का प्रावधान तथा अनेक स्तर पर मौजूद अनेक ग्रामीण विकास योजनाओं का प्रावधान।

KCS GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

समीक्षा एवं सुझाव:

→निश्चित रुप से ग्रामीण विकास द्वारा ग्रामीण नगरीय प्रवास को रोकने और अति नगरीकरण की समस्या के समाधान में यह एक महत्वाकांक्षी योजना है, जो एक तरफ ग्रामीण विकास द्वारा ग्रामीण - नगरीय विसमता को दूर कर के एक संतुलित विकास की तरफ उन्मुख है, तो दूसरी तरफ भारत सरकार की महात्वकांक्षी योजना की सफलता के लिए भी एक पूर्व शर्त के रुप में क्रियाशील है।इस योजना को सफल बनाकर ही स्मार्ट सिटी मिशन की सफलता के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है

नगरीकरण/नगरों से संबंधित अन्य समस्याओं के समाधान हेतु किए गए प्रयास:-

↓

शहरी गरीबी उन्मूलन हेतु किये गए प्रयास:-

→ स्वर्ण जयंती रोजगार योजना (1997)

→ राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (2014)

शहरी पर्यावरण की समस्या समाधान हेतु किए गए प्रयास:

- 1974 में - पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का गठन।
- 2010 में - पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन एवं निपटान नियम
- यूरो-VI - मानक को संपूर्ण देश में 1 अप्रैल 2020 से अनिवार्य कर दिया गया

मुख्यत: दिल्ली में जनहित याचिका के माध्यम से प्रदूषण नियंत्रण हेतु किये गए प्रयास - ओखला की जगह नोयडा का विकास; CNG की अनिवार्यता तथा दिल्ली सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों द्वारा किये गए प्रयास।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

शहरी स्वास्थ्य विकास हेतु किये गये प्रयास :

- 1986 - राष्ट्रीय जल संसाधन परिषद का गठन
- 1990 - राष्ट्रीय जल बोर्ड का गठन
- 2012 - राष्ट्रीय जल नीति का निर्माण
- 2008 - राष्ट्रीय जल नीति का निर्माण
- 2013 - राष्ट्रीय शहरी स्वच्छता मिशन
- 20 अक्टूबर, 2014 — स्वच्छ भारत अभियान

शहरों की सामाजिक समस्या के समाधान हेतु किए गये प्रयास :

- परिवार परामर्श केन्द्र की स्थापना
- नशाखोरी उन्मूलन केन्द्र की स्थापना
- सरकार एवं NGO द्वारा अनाथालयों एवं वृद्धाश्रम की स्थापना

Q :- संभावित प्रश्न

↓

PDF Notes

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR